हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु – उत्तमता व प्रतिष्ठा

तृतीय खलीफा, दयालु व परोपकारी व्यक्ति जामअ़ कुरान हज़रत उ़समान इ़ब्न अफ्फान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को अल्लाह तआ़ला ने विशेष प्रतिष्ठा व सम्मान से संबोधित तथा आप को उच्च गुण व उत्तम लक्षण से संवार कर उच्च स्तर व स्थान पर घोषित किया।

18 ज़िल हज्जा को क्यों के हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि शहादत हुई है। कुरान करीम में अल्लाह तआ़ला ने शुद्ध बन्दों कि उत्तमता फरमाई जिन्हों ने अपनी रातों को इ़बादतों में गुज़ारा।

जिन कि माथे अल्लाह की बारगाह में क़म रहती है। जिन के दिल अल्लाह के बय से भरे रहते हैं। वह अपने पालनहार कि रहमत व कृपा के उम्मीदवार बने रहते हैं। अल्लाह तआ़ला आदेश देता हैः-

भाषांतरः वह व्यक्ति जो रात को घड़ियों में सजदा करता तथा खड़ा रहता है, आखिरत से डरता है तथा अपने रब की दयालुता की आशा रखता हुआ विनयशीलता के साथ बन्दगी में लगा रहता है वह और मुशरिक बराबर हो सकते हैं? कभी नहीं। आप फरमा दिजीए! कया कभी ज्ञान रखने वाला एवं अज्ञात एक समान हो सकते हैं? शिक्षा तो बुद्धिमान एवं समझवाले ही ग्रहण करते हैं।

(सुरह अल ज़ुमरः 39:09)

इमाम जलाल उद्दीन सुयूती रहमतुल्लाहि अलैह ने लिखा उपर्युक्त आयत हज़रत उसमान बिन अफ्फान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि शान व प्रितिष्ठा में प्रकट हुई है। जैसा के तफसीर दुर्रे मंशूर में रिवायत हैः-

भाषांतरः इमान इब्न मंज़र, इमाम इब्न अबु हातिम, इमाम इब्न मर--- इमाम अबु नुईम तथा इमाम इब्न असाकीर रहीमुल्लाह ने हज़रत अबुदल्लाह बिन उमर रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित व्यख्यान किया है के आप ने यह आयत करीमा- *अम मन हुवा खानिता अना अल्लैली साजिदन वखाइमन* तिलावत की। तथा कहा के वह व्यक्ति हज़रत उसमान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु हैं। और एक रिवायत के अनुसार आप ने फरमायाः यह आयत हज़रत उसमान बिन अफ्फान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि शान व प्रतिष्ठा में प्रकट हुई।

(अल दर्रुल मंसूर, फिल तावील बिल मासूर)

नुज़हतुल मजालिस में रिवायत हैः-

भाषांतरः हज़रत उसमान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु दिन में रोज़ा रखते तथा रात में इबादत करते, रात के प्रारंभ भाग में थोडी देर विश्राम करते, आप कि प्रिय पत्नी ने कहाः आप पूर्ण रात इबादत करते तथा एक रकात में सम्पूर्ण कुरान करीम तिलावत करते।

(नुज़हतुल मजालिस व मुंतक़िब अन नफाइस)

अहले सुन्नत व जमात का एकजुट विश्वास व अखीदा है के हज़रात खुलेफा राशेदीन रज़ियल्लाहु तआला अन्हुमा कि जिस प्रकार तरतीब है इन के स्तर व प्रतिष्ठा भी इसी तरतीब से हैं।

हज़रत मौलाय कायनात हज़रत सैयदना अ़ली मुरतज़ा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित हैः-

भाषांतरः हज़रत सैयदना अ़ली मुरतज़ा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने मिम्बर (धर्मोपदेशक का आसन) पर तशरीफ फरमा हो कर अनुदेश दियाः कया मैं तुम्हे नबी करीम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के बाद इस उ़म्मत (समुदाय) के सर्वश्रेष्ट व्यक्ति के बारे में ना बतलाऊँ? लोगों ने विनती कीः क्यों नहीं। अवश्य वर्णन कीजिए। आप रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने कहाः वह हज़रत अ़बु बक्र सिद्दीख रज़ियल्लाहु तआला अन्हु हैं। फिर कहाः कया मैं तुम्हें ना बताओं के आप के बाद किस का स्तर उच्च है? इन्हों ने निवेदन कियाः हाँ। अवश्य निर्देश किजीए। आप ने फरमाया- वह हज़रत उ़मर रज़ियल्लाहु तआला अन्हु हैं। फिर आप ने कहाः कया मैं तुम्हें तीसरे व्यक्ति कौन हैं ना बाताउँ? इन्हों ने कहाः हाँ। अवश्य निर्देश करीए। तो हज़रत अ़ली रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने फरमाते हुए मिम्बर से उतर गए के वह हज़रत उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु हैं।

(नुज़हतुल मजालिस व मुंतक़िब अल निफाइस)

आप का वंश

आप का धन्य नाम उ़समान एवं कुन्नियत अबु अबदुल्लाह है।

हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को यह कृपा प्राप्त है के आप का वंश हज़रत अ़ब्द मुनाफ के बाद सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के वंस पाक से जा मिलता है।

आप का जन्म

हाथियों के 6 वर्ष सैयदना उ़समान ग़नी ज़न्नुरैन रज़ियल्लाहु तआला अन्हु का धन्य जन्म हुआ। जैसा के तारीक़ खुलेफा, जिल्द 1, पः 60 में वर्णन है।

आप कि प्रिय माता उ़रवह है जो हज़रत अबदुल मुत्तलिब रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि नवासी हैं। जैसा के मआ़रिफतुस सहाबा ली अबी नुईम, जिल्द 14, पः 62)

ईमान लाने में सर्वप्रथम

आप प्रथम तथा प्रथम मुहाजिरीन से हैं। हज़रत अबु बक्र सिद्दीख रज़ियल्लाहु तआला अन्हु के निमन्त्रण व अनुदेश पर आप ने इसलाम स्वीकार किया। सब से प्रथम ईमान लाने वाले भाग्यशाली व सौभाग्यवान में आप चौथे सदस्य हैं। जैसा के उसदुल घाबा ली इ़ब्न उत अथीर में रिवायत हैः-

भाषांतरः इसलाम के प्रारंभ में आप इसलाम लाए, हज़रत अबु बक्र सिद्दीख रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने आप को इसलम का निमन्त्रण दिया तो आप ने इसलाम स्वीकार किया। तथा आप फरमाया करतेः अवश्य इसलाम स्वीकार करने वालों में मैं चौथा व्यक्ति हुँ।

(उसदुल घाबा ली इ़ब्न उत अथीर, बाबुल एईन, उसमान बिन अ़फ्फान)

नूरुल अबसार में है के आप हज़रत अबु बक्र सिद्दीख रज़ियल्लाहु तआला अन्हु, हज़रत अ़ली मुरतज़ा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु तथा हज़रत ज़ैद बिन हारिसा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु के बाद सर्व प्रथम इ़सलाम स्वीकार किया।

भाषांतरः अ़ल्लामा इ़ब्न इसहाख रहमतुल्लाहि अलैह ने फरमाया के हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु वह सर्वप्रथम व्यक्ति हैं जिन्हों ने

हज़रत अबु बक्र सिद्दीख रज़ियल्लाहु तआला अन्हु, हज़रत अ़ली मुरतज़ा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु तथा हज़रत ज़ैद बिन हारिसा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु के बाद इसलाम स्वीकार किया।

(नूरुल अबसार फी मनाखिबी आली बैतिन नबियिल मुक़तार सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पः 79)

परिवार के साथ प्रवासन

आप को यह भी कृपा प्राप्त है के आप ने 2 प्रवासन किएः (1) एक अबिसीनिया देश की ओर तथा (2) पावन मदीने कि ओर।
मुअ़जम कबीर तबरानी में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः हज़रत सैयदना अनस बिन मालिक रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है आप ने फरमाया के हज़रत नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने अनुदेश फरमायाः अवश्य लूत अलैहि सलाम के बाद उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु वह प्रथम व्यक्ति हैं जिन्हों ने अपनी पत्नी के साथ अल्लाह कि त्याग से प्रवासन किया है।

(अल मुअ़जम अल कबीर लिल तबरानी, जिल्द 1, पः 61, हदीस संख्याः 141)

आपका विवाह

हज़रत सैयदना उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को यह उच्च कृपा प्राप्त है के आप के विवाह एक के बाद एक सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कि दो शहाज़ादियों से हुआ। इसी लिए आप को ज़ुन्नूरैन यानी दो नूर वाले कहा जाता है।

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने सैयदा रुखिया रज़ियल्लाहु तआला अन्हु के देहान्त के बाद सैयदा उम्मे कुलसूम रज़ियल्लाहु तआला अन्हु का विवाह हज़रत उसमान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से फरमाया। आप ने आदेश फरमायाः-

भाषांतरः कसम खुदा की! यदि मेरी (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) 100 लडकियां होतीं एवं एक के बाद एक अन्य सब का देहान्त होता जाता तो मैं (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) एक के बाद एक तुम्हारे विवाह में देता जाता। यहाँ तक के 100 सम्पूर्ण हो जातीं। अभी जिब्रील अलैहि सलाम मेरे (सल्लल्लाह तआ़ला अलैहि वसल्लम) पास आए थे, इन्हों ने कहा के अल्लाह तआ़ला ने यह आदेश दिया है के उम्मे कुलसूम रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को तुम्हारे विवाह में दुँ।

(जामेअ़ अल हादिस, हदीस संख्याः 16107, अल जामअ़ अल कबीर लिल सुयूती, हदीस संख्याः 36206)

आपके उपपद "ज़ुन्नूरैन" का कारण

इ़माम जलालुद्दीन सुयूती रहमतुल्लाहि अलैह ने तारीक़ खुलेफा में आप के उपाधि *ज़ुन्नूरैन* से संबंधित रिवायत व्याख्या की के सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कि दो साहबिज़ादियां (बेटियां) आप के विवाह में थीं।

इसी लिए आप को ज़ुन्नूरैन कहा जाता है। तथा हज़रत आ़दम अलैहि सलाम से क़यामत तक किसी को यह कृपा प्राप्त नहीं हुई के किसी नबी के दो बेटियां इन के विवाह में हों। यह विशाल कृपा आप के भाग में आई।

(तारीकुल खुलेफा, जिल्द 1, पः 60)

सर्वोच्च स्वर्गलोक में आप का उल्लेख

जिस बाबरकत हस्ती का वर्णन हम बुद्धि पर कर रहे हैं वह ऐसी भाग्य हस्ती है के इन का वर्णन व उल्लेख सर्वोच्च स्वर्गलोक में भी हो रहा है। आकाशी निर्माण भी आप को ज़ुन्नूरैन के मुबारक उपाधि से याद करती है। जैसा के कंज़ुल उ़म्माल में रिवायत हैः-

भाषांतरः हज़रत नज़्ज़ाल बिन सबरह रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से रिवायत है, आप ने फरमाया के हम ने हज़रत अ़ली मुरतज़ा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से हज़रत उसमान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि प्रतिष्ठा व शान से संबंधित पूछा तो आप ने फरमायाः यह वह हस्ती है जिन्हें सर्वोच्च स्वर्गलोक में *ज़ुन्नूरैन* के धन्य उपाधि से याद किया जाता है।

(कंज़ुल उ़म्माल, किताबुल फज़ाइ़ल, हदीस संख्याः 36181, नुज़्हातुल मजालिस)

सर्वाधिक विनम्र गुण

हज़रत उसमान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु सर्वाधिक विनम्र के गुण हया से प्राप्ति थे। सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम आप के तबियत का विशेष लिहाज़ करते, सहीह मुसलिम शरीफ में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः हज़रत अ़ता बिन यस्सार, हज़रत सुलैमान बिन यस्सार तथा हज़रत अबु सलमा बिन अबदुर रहमान रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम से रिवायत है के सैयदा आयशा सिद्दीखा रज़ियल्लाहु तआला अन्हा ने इरशाद फरमायाः हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम अपने भवन में विश्राम कर रहे थे, तथा आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) टखने या आपके जांघ मुबारक मुबारक से अधिक कपडा हटा हुआ था, हज़रत अबु बक्र सिद्दीख रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने आज्ञा कि इच्छा की,

आप ने इन्हें इसी स्थिति में आज्ञा प्रदान की, फिर हज़रत उ़मर रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने आज्ञा कि इच्छा की, आप ने इन्हें इसी स्थिति में आज्ञा प्रदान की, फिर हज़रत उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने आज्ञा कि कामना की तो हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम खडे हुए एवं अपने धन्य वस्त्र श्रेष्ट कर लिए, फिर हज़रत उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु उपस्थित हुए एवं इन्हों ने आप सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कि सेवा में निवेदन किया, जब वह चले गए तो सैयदा आयशा सिद्दीखा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने पूछाः हज़रत अबु बक्र सिद्दीख रज़ियल्लाहु तआला अन्हु उपस्थित हुए, आप ने इन के लिए ना तो हरकत की एवं ना इन के लिए विचार (उसी स्थिति में रहने की) किया। फिर हज़रत उ़मर रज़ियल्लाहु तआला अन्हु उपस्थित हुए आप ने इन के लिए ना तो हरकत की ना इन के लिए विचार किया फिर हज़रत उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु उपस्थित हुए तो आप खडे हुए एवं अपने पवित्र वस्त्र श्रेष्ठ किए? सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश किया- मैं इस व्यक्ति से हया (लज्जा व शिष्ठता) क्यों ना करुँ जिस से फरिश्ते भी हया करते हैं।

(सहीह मुसलिम, हदीस संख्याः 6362)

सहीह मुसलिम कि एक और रिवायत में हैः-

भाषांतरः सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश फरमायाः उ़समान (रज़ियल्लाहु तआला अन्हु) हयादार (लज्जित) हैं, मुझे चिन्ता हुई के यदि मैं (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) ने इन्हें इसी स्थिति में आज्ञा दे दी तो वह हया व लज्जा के कारण मेरे (सल्लल्लाह तआ़ला अलैहि वसल्लम) पास अपनी अपेक्षा का समर्पण नहीं कर सकेंगे।

(सहीह मुसलिम हदीस संख्याः 6363)

आप के हया के गुण के पेश नज़र सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आप के अधिकार में विशेष दुआ फरमाई, जैसा के कंज़ुल उ़म्माल में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश दियाः मैं ने अल्लाह से प्रार्थना की है के क़यामत के दिन उसमान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को हिसाब के लिए खडा ना करें, तो अल्लाह तआ़ला ने इन के अधिकार में मेरी (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) विनती स्वीकार कर ली।

(कंज़ुल उ़म्माल, हदीस संख्याः 33095)

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कि इस स्वीकृत प्रार्थना का बारगाह ईलाही में इस प्रकार लिहाज है के हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु के अधिकार में अल्लाह के दरबार से विशेष घोषणा होगी के आप बडी प्रतिष्ठा के साथ जन्नत में प्रवेश हों। अल्लाह तआ़ला का आदेश हैः-

भाषांतरः "ऐ संतुष्टात्मा अपने पालनहार कि ओर लौट आ, इस स्थिति में के तु रब से राज़ी एवं रब तुझ से राज़ी है। अतः मेरे बन्दों में सम्मिलित हो जा। तथा प्रवेश कर मेरी जन्नत में।"

(सुरह अल फज्रः 89:27-30)

इस आयत के विस्तार में अल्लामा इ़ब्ने कसीर ने रिवायत अनुच्छेद की है के यह आयत करीम हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि शान व प्रतिष्टा में प्रकट हुई है। जैसा के तफसीर इ़ब्न कसरी में हैः-

भाषांतरः इमाम ज़हहाक रहमतुल्लाहि अलैह ने हज़रत अबदुल्लाह बिन अ़ब्बास रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से रिवायत अनुच्छेद की है के यह आयत करीम हज़रत उ़समान बिन अ़फ्फान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि प्रतिष्ठा व उत्तमगुण में प्रकट हुई है।

(तफसीरुल कुरान अल अ़ज़ीम, ला बिन कसीर, सुरह अल फज्र- 24)

आप कि औदार्य कि प्रतिष्ठा

हज़रत सैयदना उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि प्रतिष्ठा में असंख्या हदीस शरीफ उपलब्ध हैं। जिन से आप कि विशिष्ठता स्पष्ट होती है। आप कि उत्तमता व प्रतिष्ठा एवं दानशीलता व उदाहरता कि शान से संबंधित यहाँ उदाहरण के रूप में हदीस वर्णन की जा रही है जिन्हें शैकुल इस्लाम आ़रिफ बिल्लाह इमाम अनवारुल्लाह फारूखी, निर्माता जामिया निज़ामिया रहमतुल्लाहि अलैह अपनी चिरप्रतिष्ठित पुस्तक *मखासिदुल इसलाम* 6 भाग में स्पष्टीकरण हैः-

भाषांतरः कंज़ुल उ़म्माल में रिवायत है के हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने फरमायाः-

भाषांतरः एक बार कई दिन मदीने में बाहर से खाद्यान्न (अनाज) नहीं आया तथा यहाँ तक के लोगों को भूख लगने लगी, तो मैं बखीअ़ घरखद कि ओर निकला तो देखा के 15 ऊँट खाद्यान्न (अनाज) से लदे हुए हैं तो मैं ने इन्हें खरीदा और 3 ऊँट रोके रखा एवं इन में से 12 ऊँट सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कि सेवा में पेश किए तो सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने मेरे हक़ में बरकत कि दुआ की।

(कंज़ुल उ़म्माल, किताबु फज़ाइ़ल, हदीस संख्याः 36335)

इमाम इब्न असाकिर एवं इमाम अली मुत्तखी रमहतु ने रिवायत अनुच्छेद की हैः-

भाषांतरः हज़रत अबु मसऊद रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, आप ने फरमायाः मैं ने हज़रत नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को देखा के आप ने अत्यन्त प्रसन्नता से दोनों हाथ इस प्रकार ऊँचे फरमाएं के आप के मुबारक बग़लों से नूर प्रकट होने लगा, आप ने हज़रत उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु के लिए जो दुआएं फरमाएं मैं ने हज़रत उ़समान से पूर्व तथा आप के बाद किसी के लिए सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को इस प्रकार दुआ़ करते हुए नहीं सुना। आप दुआ़ फरमातेः ऐ अल्लाह! उ़समान को यह यह दान कर। ऐ अल्लाह! उ़समान को इन इन चीज़ों से धनी कर।

(कंज़ुल उ़म्माल, किताबुल फज़ाइ़ल, हदीस संख्याः 36196)

अधिक इब्न असाकीर तथा कंज़ुल उ़म्माल में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः हज़रत कसीर बिन मरवह रहमतुल्लाहि अलैह से वर्णित है, इन्हों ने फरमाया के हज़रत अ़ली मुरतज़ा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से हज़रत उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से संबंधित पूछा तो आप ने फरमायाः वह कया खूब शान वाले हैं! इन्हें चौथे आकाश पर *ज़ुन्नुरैन* के उपादि से याद किया जाता है, तथा हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने एक के बाद एक अपनी दो शहज़ादियों का इन से विवाह करवाया। फिर सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश फरमायाः जो व्यक्ति (मसजिद से समीप) घर खरीद कर मसजिद नबवी में मिश्रित करे इस को खुदा तआ़ला बख्श देगा। तो हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने दो घर खरीद कर मसजिद में शरीक कर दिया। फिर एक बार सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश

फरमायाः जो व्यक्ति खजुरें तथा अनाज सुखाने के स्थान को खरीद कर मुसलमानों को दान कर दे इस को अल्लाह तआ़ला बख्श देगा, तो हज़रत उ़समान ग़नी ने इस को खरीद कर मुसलमानों पर दान कर दिया, फिर एक बार सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश दिया- जो व्यक्ति तबूके कि सेना को औजार व सामग्री देगा अल्लाह तआ़ला उसे क्षमा कर देगा। उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने समस्त सेना को सम्पूर्ण सामग्री दे दी यहाँ तक के इस में एक --- भी कम ना थी।

(कंज़ुल उ़म्माल, किताबुल फज़ाईल, हदीस संख्याः 36249)

इ़माम तबरानी, इ़माम इ़ब्न अ़साकीर तथा इ़माम अ़ली मुतख्खी रहमतुल्लाहि अलैह ने रिवायत अनुच्छेद किया हैः-

भाषांतरः हज़रत अबु सलमा बशर बिन बशीर असलामी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, वह अपने पिता से वर्णित करते हैं, इन्हों ने फरमायाः जब उत्प्रवासी मदीने आए तो पानी को अनुपलभ्य पाया। तथा क़बीले बनू ग़फ्फार के एक व्यक्ति के पास एक कुआँ था जिसे रूमा कहा जाता था। वह व्यक्ति इस कुऐं से एक मशक पानी एक मुद्द के बदले बेचता था। तो सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने इस व्यक्ति से फरमायाः तुम इस कुऐं को मुझे जन्नत के एक झरने के बदले बेच दो। तो इस ने कहाः या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम! मेरे एवं मेरे घर वालों के लिए इस के सिवा (कमाई व उपार्जन का) का कोई और माध्यम नहीं है अर्थात मैं इसे बेचने कि क्षमता नहीं रखता। जब यह बात हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को मालूम हुई तो आप ने इसे 35,000 दिरहम के बदले खरीद लिया। फिर हज़रत नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कि सेवा में उपस्थित हुए तथा निवेदन कियाः या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम! यदि मैं इस कुऐं को खरीदलो तो कया आप जन्नत का झरना मेरे लिए स्थापित कर देंगे

जिस प्रकार आप ने इस व्यक्ति के लिए जन्नत का झरना घोषित किया था। आप ने आदेश कियाः हाँ! इन्हों ने निवेदन कियाः अवश्य! मैं ने इस को खरीद लिया तथा मुसलमानों के लिए दान कर दिया।

(अल मुअ़जम अल कबीर, लिल तबरानी, हदीस संख्याः 1212, कंज़ुल उ़म्माल, हदीस संख्याः 36183)

अल्लाह तआ़ला ने हज़रत उसमान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को उदारता व औदार्य के गुण दान किए। उदाहरशीलता व महामनस्कता के लक्षण आप में उच्च तरीक़े से उपलब्ध थीं।

जब भी इसलाम के लिए धन कि आवश्यकता पेश आती तो आप बिना खुल रूप से अपना धन खर्च करते, कंज़ुल उ़म्माल में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः हज़रत इ़मरान बिन हसीन रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, आप ने देखा के तबूक के युद्ध के अवसर में हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु उपलब्ध थे, हज़रत नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने दान करने, शक्तिशाली बन्ने एवं पालन करने का आदेश दिया। अ़रब के ईसाईयों ने हरकेल्स को लिखा के यह व्यक्ति जो नबूवत का दावा करते हैं उनकी क़ौम इन दिनों विनाशक में है वह अकाल के वर्ष से गुज़र रही हैं। क्यों के इन के धन विनाश हो गएं, यदि तुम को अपने धर्म कि मदद करना चाहते हो तो यही अवसर है। इस ने एक प्रबन्धकर्ता रवाना किया जिसे *सफ्फार* कहा जाता था, तथा इस के साथ 40,000 कि सेना तैयार कर के मुकाबले के लिए भेजा। जब यह सूचना सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को पहुंची तो आप ने अतराफ के अ़रब पड़ोसी कबीलों को धर्मपत्र भेजा। हर दिन आप मिम्बर पर तशरीफ होते तथा दुआ़ में कहते के या अल्लाह! यदि यह चंद मुसलमान समाप्त हो जाएं तो धरती पर तेरी इ़बादत करने वाला कोई ना रहेगा। इन

मुसलमानों कि धनी स्थिति श्रेष्ट थी, हज़रत उसमान गनी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने सीरिया के देश से खाद्यान्न लाने के लिए व्यापारिक कारवाँ तैयार किया। इसलामी आवश्यकता को देख कर निवेदन कियाः या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम! मैं 200 ऊँट अन्य औजार व सामग्री तथा 200 ऊ़खिया पेश करता हुँ। तो सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने *अलहमदुलिल्लाह* कह कर तकबीर कही तथा सब मुसलमान इतने प्रसन्न व खुश हुए के हर ओर से तकबीर के नारे बुलंद हुए। फिर दूसरे दिन सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने मुसलमानों को दान करने का उपदेश दिया। हज़रत ऊ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु उठ खडे हुए तथा निवेदन कियाः या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम! 200 ऊँट तथा 200 ऊ़खिये पेश करता हुँ। इस पर आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) ने तकबीर कही, एवं चारो ओर से तकबीर के नारे बुलंद हुए।

(कंज़ुल ऊ़म्माल, किताबुल फज़ाइ़ल, हदीस संख्याः 36188)

इस प्रकार अनेक समारोह में 950 ऊँटनियां तथा कुछ रिवायतों में 970 ऊँटनियां तथा 30 घोड़े तथा 700 ऊ़खिये सोना एवं 10,000 दीनार राशिपेश किए। हुज़ैफा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु फरमाते हैं के जब 10,000 दीनार सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के द्वार पेश किए गए तो आप इन दीनार को देख कर अत्यन्त प्रसन्नता से नीचे ऊपर करते और यह कहते जातेः ऐ उसमान! अल्लाह तआ़ला ने तुम्हारे हर प्रकार के पाप चाहे छिपे हों या ज़ाहिर, आगे क़यामत तक होने वाले सब कि मग़फिरत कर दी। फिर आदेश फरमायाः इस के बाद ऊ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु जो चाहें करे। कुछ परवा नहीं, कोई कर्म इन को हानि नहीं देगा।

(कंज़ुल ऊ़म्माल, किताबुल फज़ाइ़ल, हदीस संख्याः 36189)

हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को समर्थन करना- सहाबा कि सुन्नत

अल्लाह तआ़ला सहाबा किराम रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम के ई़मान को उ़म्मत के लिए हिदायत का स्तर घोषित किया। जब भी सहाबा किराम रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम कि शान व प्रतिष्ठा के विरुद्ध कोई बात कही जाए तो ई़मानी याचना यह है के इन का समर्थन करके अपनी मुहब्बत व स्नेह का सबूत दें। सहीह बुखारी शरीफ में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः हज़रत उ़समान बिन मौहब रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, इन्हों ने फरमायाः एक मिस्री व्यक्ति बैतुल्लाह के हज्ज के उद्देश्य से आया, तो इस मिस्री व्यक्ति ने चंद बैठे हुए सदस्य को देखा तथा पूछा के यह किस क़बीले के हैं? लोगों ने कहाः यह विशिष्ठ वर्ग खुरैश कबीले से हैं, फिर इस व्यक्ति ने पूछाः इन का मुखिया कौन हैं? लोगों ने कहाः अबदुल्लाह बिन उ़मर रज़ियल्लाहु तआला अन्हु, इस ने कहाः ऐ इ़ब्न उ़मर रज़ियल्लाहु तआला अन्हु मैं आप से चंद चीज़ों के बारे में पूछना चाहता हुँ। आप मुझे वर्णन करें! कया आप जानते हैं के हज़रत उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु उहद के युद्ध के दिन उपस्थित थे? आप ने फरमायाः हाँ। इस ने प्रश्न किया के हज़रत उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु बदर के युद्ध में उपस्थित थे तथा इस में शिरकत नहीं की? आप ने फरमायाः हाँ! फिर इस ने पूछाः कया आप जानते हैं के हज़रत उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु बैअ़त रिज़वान के अवसर पर उपस्थित नहीं थे तथा इस में शिरकत नहीं की। आप ने फरमायाः हाँ, इस ने कहाः अल्लाहु अकबर! हज़रत अबदुल्लाह बिन उ़मर रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने फरमायाः आउ, मैं तुम्हें सच्चाई वर्णन करता हुँ। अब रहा आप का उहद के युद्ध के दिन उपस्थित होना तो मैं इस बात कि गवाही देता हुँ के अवश्य अल्लाह तआ़ला ने इन्हें क्षमा कर दिया तथा इन के मुक्ति फरमा दी। अब रहा आप का बदर के युद्ध में उपस्थित ना रहना तो इस के कारण यह है के इन के

विवाह में सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कि शहज़ादी थीं, तथा वह बीमार थीं, तो हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आप को आदेश दिया के अवश्य तुम्हें वही पुण्य तथा हिस्सा है जो बदर में शरीक होने वाले मनुष्य के लिए है। अब रहा आप का बैअ़त रिज़वान के समय उपस्थित ना रहना, तो यदि कोई व्यक्ति मक्के में हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से अधिक इज्जत व सम्मान वाला होता तो हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम इसी को (इसलाम का प्रतिनिधि) रवाना फरमाते। सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को रवाना फरमाया था, एवं बैअ़त रिज़वान तो हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु के मक्के रवाना होने के बाद हुई, इस अवसर पर हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने अपने दाहिने पवित्र हाथ कि ओर इशारा करते हुए फरमायाः यह उ़समान (रज़ियल्लाहु तआला अन्हु) का हाथ है, तथा इसे अपने बायें पवित्र हाथ पर रख दियाः यह (बैअ़त व प्रतिज्ञा) उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि ओर से है। फिर हज़रत अबदुल्लाह बिन उ़मर रिद ने इस प्रश्न करने वाले व्यक्ति से कहाः अब इन सत्य को अपने हाथ सुरक्षा के साथ ले जाओ।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 3698)

सुलेह हुदैबिया (अनुबंध) के समय जब सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को राजदूत के रूप में मक्के को रवाना किया, मक्के वालों ने आप से कहा के आप तवाफ करलें तथा उ़मरा अदा करलें।

हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने उत्तर दिया के मैं नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के बिना कभी कअ़बे का तवाफ नहीं करुँगा, तब इन्हों ने आप को रोक लिया तथा मुसलमानों में यह सूचना

नामवर हो गई के काफिरों ने हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को शहीद कर दिया।

सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने सहाबा किराम से बैअ़त ली फिर अपने दाहिने पवित्र हाथ को बायें पवित्र हाथ पर रख कर फरमाया ऐ अल्लाह! यह हाथ उसमान कि ओर से है तथा यह इन कि ओर से बैअ़त है क्यों के वह तेरे तथा तेरे रसूल के आज्ञापालन में है।

यहाँ यह संकेत किया जाता है के यदि सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को अदृष्ट का ज्ञान होता तो आप हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि शहादत कि झूठी सूचना पहुंचने के बाद सहाबा किराम से बैअ़त ना लेते।

इस संकेत का उत्तर यह है के यदि सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को अदृष्ट का ज्ञान ना होता तो आप हज़रत उ़समान कि र से बैअ़त ना लेते क्यों के जिन कि शहादत हो चुकी उन से बैअ़त नहीं ली जाती।

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने हज़रत उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि ओर से बैअ़त ली, यह बात कि स्पष्ट दलील है के आप हज़रत उ़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि असल स्थिति से अनुभव व परिचित हैं।

हज़रत उ़समान पर सरकार का विश्वास

सैयदना उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि सच्चाई तथा सरकार के दरबार में आप कि इज्जत व स्तर का इस से निस्संदेह अंदाजा किया जाता है के सुलैह हुदैबिय के समय पर सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आप को इसलाम का राजदूत (प्रतिनिधि) निर्धारित कर के मक्के रवाना

किया। आप ने हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को इसलामी राजदूत घोषित कर के अतः यह सन्देश दिया के हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु के सच्चाई पर आप को सम्पूर्ण विश्वास व साहस है तथा आप कि सत्यता पर पूर्ण निश्चित है। आप को सत्य तथा हर संकेत को समाप्त कर देती है।

हुदैबिय में आप को इसलामी राजदूत घोषित करने कि हिकमत

हुदैबिय के अवसर पर सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आप को अपने राजदूत कि हैसियत से मक्का रवाना किया। इस का एक कारण यह है के आप मक्के वालों में भी सम्माननीय व प्रणम्य थे। वह लोग आप कि इज्जत व आदर किया करते थे।

एवं दूसरा कारण यह है के सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कि निगाह नबूवत देख करही थी के एक ज़माना ऐसा भी आएगा के हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि पवित्र व्यक्तित्व पर उँगलियां उठाई जाएंगी। आप के बेदाग चरित्र पर --- की जाएंगी। आप कि सत्यता व सहानुभूति पर अनेक आलोचना व आरोप किए जाएंगे। इसी लिए आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) ने हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को अपना प्रतिनिधि घोषित किया।

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम का आप को अपना प्रतिनिधि बनाना यह आप कि उच्च सहानुभूति पर प्रत्यक्ष करता है तथा पावन हाथ को हज़रत उ़समान का हाथ घोषित देना यह आप कि उच्च क़रीबी पर दलील देता है।

हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से बैरभाव व द्वेष का परिणाम

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ाला अलैहि वसल्लम कि धन्य संगत में रहने वाले सौभाग्य लोग से हार्दिक मुहब्बत तथा घहरी व नाता रखना इ़मान कि आवश्यकता है। तथा इन से द्वेष रखना अल्लाह तआ़ाला और इस के रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ाला अलैहि वसल्लम कि नाराजगी व अप्रसन्न का दोषी है। जामे तिर्मिज़ी में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः हज़रत जाबिर रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, आप ने फरमाया के हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ाला अलैहि वसल्लम कि पावन सेवा में एक व्यक्ति का जनाज़ा लाया गया के आप इस कि नमाज़ जनाज़ा पढाएं तो आप ने इस कि नमाज़ जनाज़ा नहीं पढाई।

सहाबा किराम ने निवेदन किया- या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ाला अलैहि वसल्लम! हम ने आप को इस से पूर्व किसी कि नमाज़ जनाज़ा तर्क करते हुए नहीं देखा, तो सरकार सल्लल्लाहु तआ़ाला अलैहि वसल्लम ने आदेश फरमाया के यह व्यक्ति उसमान (रज़ियल्लाहु तआला अन्हु) से द्वेष रखता था तो अल्लाह तआ़ाला ने इस को कठिन अप्रसन्न फरमाया है।

(जामे तिर्मिज़ी, अबवाब अल मुनाखिब, हदीस संख्याः 3709)

आप कि सारल्य व नम्रता

हज़रत सैयदना उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु उच्च स्तर के सिंहासन पर होने के बावजूद सम्पूर्ण सारल्य व नम्रता के साथ जीवन बसर किया करते, नुज़हतुल मजालिस में हैः◌ः

भाषांतरः आप (रज़ियल्लाहु तआला अन्हु) लोगों को बादशाहों कि तरह खिलाया करते और खूद सिरका और ज़ैतून उपयोग करते।

(नुज़हतुल मजालिस)

हज़रत उसमान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को शहादत का शुभ सन्देश

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम अल्लाह तआ़ला के प्रदान से क़यामत तक होने वाले घटना तथा उ़म्मतियों (समुदाय) के वारदात से पूर्ण सचेत है। यही कारण है के आप ने हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को प्रथम ही बशारत (गवाही) दी के वह शहीद किए जाने वाले हैं।

जैसा के सहीह बुखारी में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः हज़रत सैयदना अ़नस बिन मालिक रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है आप ने फरमाया के सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम, हज़रत अ़बु बक्र सिद्दीख रज़ियल्लाहु तआला अन्हु, हज़रत उ़मार फारूख रज़ियल्लाहु तआला अन्हु एवं हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु के साथ उ़हद के पर्वत पर तशरीफ फरमा हुए तो वह अपने भाग्य पर प्रसन्नता होते हुए हिलने लगा व झूमने लगा। हबीब पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अ़लैहि वसल्लम ने पावन खदम मार कर इस से फरमाया ऐ उहद! थम जा तुझ र बनी (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) एक सिद्दीख तथा दो शहीद हैं।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 3686)

अधिक इ़माम जलाल उ़द्दीन सुयूती रहमतुल्लाहि अलैह ने इ़ब्न अ़साकीर के हवाले से रिवायत व्याख्या की हैः-

भाषांतरः हज़रत सैयदना ज़ैद बिन साबित रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है आप ने फरमाया के मैं ने हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को फरमाते हुए सुनाः उ़समान मेरे पास से गुज़रे इस समय मेरे पास एक फरिश्ता उपस्थित था, इस ने कहाः हज़रत उ़समान शहीद हैं।

आप को आप की क़ौम शहीद करेगी, हम सारे फरिश्ते हज़रत उ़समान से लज्जा व हया करते हैं।

(तारीकुल खुलेफा, जिल्द 1, पः 62)

खिलाफत एवं जन्नत कि बशारत

युं तो अल्लाह तआ़ला ने सामान्य रूप से सम्पूर्ण सहाबा किराम रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम से जन्नत का वचन लिया है, जैसा के आदेश हैः-

भाषांतरः और अल्लाह तआ़ला ने प्रत्येक (सहाबा किराम) से जन्नत का वादा लिया है।

(सुरह अल हदीद, 57:10)

हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु जन्नत कि इस सामान्य गवाही के गुणी विशेष बशारत से भी संभोदित फरमाए गए। जैसा के कंज़ुल उ़म्माल में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः हज़रत सैयदना अनस बिन मालिक रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, आप ने फरमाया के हज़रत नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम जलवागर हुए तथा एक बाग़ में तशरीफ ले गए, एक व्यक्ति उपस्थित हुए तथा दरवाज़े पर दस्तक दी, सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने इरशाद फरमायाः ऐ अनस ! उठो, और इन के लिए दराज़ा खोल दो तथा इन्हें जन्नत कि ओर मेरे बाद खिलाफत कि बशारत सुना दो। मैं ने निवेदन कियाः या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कया मैं इन्हें यह बात बता दुँ? आप ने कहाः हाँ, इन्हें बतला दो। जब मैं बाहर निकला तो कया देखता हुँ हज़रत अबु बक्र सिद्दीख रज़ियल्लाहु तआला अन्हु तशरीफ फरमा हैं, मैं ने इन से कहाः

आप के लिए जन्नत की शुभ सन्देश है, तथा सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कि खिलाफत कि सुभ सन्देश है। फिर एक व्यक्ति उपस्थित हुए तथा दरवाज़े पर दस्तक दी, सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने इरशाद फरमायाः ऐ अनस! उठो, और इन के लिए दरवाज़ा खोल दो तथा इन्हें जन्नत और अबु बक्रे के बाद खिलाफत कि गवाही सुना दो।

मैं ने निवेदन कियाः या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कया मैं इन्हें यह बात बताऊँ? आप ने इरशाद फरमायाः हाँ इन्हें बतला दो जब मैं बाहर निकला तो कया देखता हुँ के हज़रत ज़मर रज़ियल्लाहु तआला अन्हु तशरीफ लाए हैं। मैं ने कहाः आप के लिए जन्नत का शुभ सन्देश है।

और हज़रत अबु बक्र सिद्दीख रज़ियल्लाहु तआला अन्हु के बाद खिलाफत का सुभ सन्देश है। फिर एक व्यक्ति उपस्थित हुए और दरवाजे पर दस्तक दी, सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश दियाः ऐ अनस! उठो, एवं इन के लिए दरवाज़ा खोल दो तथा इन्हें जन्नत कि और ज़मर के बाद खिलाफत का शुभ सन्देश सुना दो। तथा यह भी बशारत सुना दो के वह शहीद होने वाले हैं। जब मैं बाहर निलका तो कया देखता हुँ के हज़रत ज़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु तशरीफ फरमा हैं, मैं ने कहाः तो हज़रत उसमान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु हज़रत नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कि पावन सेवा में उपस्थित हुए तथा निवेदन कियाः या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम! अल्लाह कि कमस! मैं ने कभी गाना नहीं गाया तथा ना कभी अश्लीलता का काम किया तथा जिस समय से मैं ने अपने सीधे हाथ से आप के धन्य हाथ पर बैअ़त की है कभी इस से अपनी गुप्तांग (शर्मगाह) नहीं छुआ। सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश दियाः ऐ ज़समान! ऐ यही कारण है के तुम्हें यह स्तर मिले हैं।

(कंज़ुल उ़म्माल, फज़ाइ़ल ज़ुन्नूरैन उ़समान बिन अ़फ्फान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु, हदीस संख्याः 36267)

आपने दो बार सरकार से जन्नत खरीदली

हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु अ़श्रे-मुबश्रा से हैं। अधिक आप ने सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम से जन्नत खरीदी है, जैसा के मुसतदरक अ़ला सहिहैन में रिवायत हैः-

भाषांतरः हज़रत सैयदना अबु हुरैरह रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है आप ने फरमाया के हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम से दो बार जन्नत खरीद ली। जिस समय मऱ्ना में थन खोदा और जब के तबूक के सेना का औजार दिया। इ़माम हाकिम रहमतुल्लाहि अलैह ने फरमाया के यह हदीस सहींह अलअसनाद है।

(मुसतदरक अ़ला सहिहैन, हदीस संख्याः 4564)

जन्नत में सरकार के साथी

अल्लाह तआ़ला ने हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को यह विशेष कृपा दान की के आप को संसार ही में जन्नत की गवाही दी गई तथा जन्नत में सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के विशेष साथी होने का सम्मानित भी प्रदान किया गया। जैसा के जामे तिर्मिज़ी में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः हज़रत तल्हा बिन उ़बैद उल्लाह रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, इन्हों ने कहा के हज़रत नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम

ने आदेश दियाः हर नबी का एक साथी व सहचरी (रफीख) होता है तथा जन्नत में मेरे रफीख़ व सहचरी ड़समान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु हैं।

(जामे तिर्मिज़ी, अबवाबुल मनाखिब, बाब फी मनाखिब ड़समान बिन अ़फ्फान रज़ियल्लाहु तआला अन्हु, हदीस संख्याः 4063)

आपकी संतान

हज़रत ड़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को एक नंदन हज़रत रुखिय रज़ियल्लाहु तआला अन्हा से है जिन का नाम अ़बदुल्लाह रज़ियल्लाहु तआला अन्हु है।

खिलाफत का पूर्णविराम

हज़रत सैयदना ड़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु हज़रत ड़मर फारूख रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि शवाधान (दफन) के तीसरे दिन खिलाफत पर आसीन हुए। (तारीक़ उल खुलेफा)। आपका दौर खिलाफत कुछ अधिकतर 12 वर्ष रहा।

परम शहादत

18 ज़ुल हिज्जा 35 हिज्री शुक्रवार के दिन अ़सर कि नमाज़ के बाद आप ने शहादत का जाम पिया आ का धन्य समाधि जन्नतुल बखीअ़ मे है। उसदुल ग़ाबा में हैः-

भाषांतरः हज़रत अ़बु मआ़शर रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, इन्हों ने कहा के हज़रत ड़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु शुक्रवार के दिन 18 ज़ुल हिज्जा 35 हिज्री में शहीद किए गए, तथा आप का खिलाफत कि अवधि 12 दिन कम 12 वर्ष रहा।

(उ़सदुल ग़ाबा ली इ़ब्न असीर)

दंगाई (दंगा करने वाले) ने 49 दिन तक आपका घर घेरे रखा, शहादत से पूर्व सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम तशरीफ फरमा हुए एवं आदेश दियाः यदि चाहो तो हमारे पास इफ्तार कर लो तथा चाहो तो तुम्हारी मदद की जाएगी तो आप ने सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के साथ इफ्तार करने को अपनाया। जैसा के नूरुल अबसार में रिवायत हैः-

भाषांतरः हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने फरमायाः आज रात मैं ने हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को देखा, अवश्य आप इस खिड़की में जलवागर हुए तथा आप ने अपने हाथ से मकान के ऊपर कि ओर जो खिड़की है इशारा किया। सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश दियाः ऐ उ़समान! इन्हों ने तुम्हारा घर घेरा हुआ है? मैं ने निवेदन कियाः हाँ। आप ने फरमायाः इन्हों ने तुम्हें प्यासा रखा? मैं ने निवेदन कियाः हाँ। हज़रत उ़समान ने कहाः फिर आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) ने डोल प्रदान किया। मैं ने इसे पी लिया, मैं अबतक अपने सीने और कन्धों के बीच इस डोल कि ठण्डक को पा रहा हुँ। फिर नबी पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश दियाः यदि तुम चाहो तो हमारे पास इफ्तार करो तथा यदि चाहो तो इन लोगों पर तुम्हारी मदद की जाएगी, तो मैं ने आप के साथ इफ्तार की कृपा को चुन लिया। अ़ल्लामा इसहाख ने इस रिवायत को व्याख्या किया है।

(नूरुल अबसार, मनाखिब अल बैअ़तुल नबी अल मुक़तार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम, पः 85)

क़यामत के दिन उसमान कि शान का प्रकटन

क़यामत के दिन सैयदना उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को अल्लाह तआ़ला सम्मान व गौरव दान करेगा के पश्चिम व पूरब के सम्पूर्ण लोग रश्क करेंगे, जैसा के मुसतदरक अ़ला सहिहैन में हैः-

भाषांतरः हज़रत सैयदना अबदुल्लाह बिन अ़ब्बास रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, आप ने फरमाया के मैं हज़रत नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कि धन्य सेवा में उपस्थित था, अचानक हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु उपस्थित हुए, जब आप खरीब आए तो सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश दियाः ऐ उसमान ! तुम्हें इस स्थिति में शहीद किया जाएगा के तुम सुरह बखरा कि तिलावत कर रहे होंगे तथा तुम्हारा खू आयत करीमा *फसीकफीक हुमुल्लाह वहुवस समीअ़ उल अ़लीम* पर गिरेगा। क़यामत के दिन तुम्हें शान से उठाया जाएगा के तुम हर परीक्षा में व्यस्त व्यक्ति के मुखिया होंगे। तुम्हारे सत्र को देख कर पूरब व पश्चिम के सम्पूर्ण लोग रश्क करेंगे तथा तुम क़बीले रुबअ़य तथा मज़र के सदस्य को संख्या में लोगों कि शफआ़त (अनुनय करना) करोगे।

(अल मुसतदरक अ़ला सहिहैन, लिल हाकिम, हदीस संख्याः 4531)

नमाज़ ज़नाज़ा में फरिश्तों कि सहभागिता

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने यह बशारत दी के हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु कि नमाज़ जनाज़ा में आकाशी फरिश्ते शरीक होंगे।

जैसा के अल रियाज़ अल नज़रह में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः हज़रत उ़मर खत्ताब रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, आप ने फरमाया के मैं ने हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम

को इरशाद फरमाते सुनाः जिस दिन उ़समान (रज़ियल्लाहु तआला अन्हु) शहीद होंगे आकाशी फरिश्ते इन कि नमाज़ अदा करेंगे। मैं ने निवेदन कियाः या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम! कया यह हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु के लिए विशेष है या साधारण लोगों के लिए भी यह आदर है? आप ने इरशाद फरमायाः यह उ़समान (रज़ियल्लाहु तआला अन्हु) के लिए विशेष है।

(अल रियाज़ अल नज़रह फी मनाफिख अल अ़शरह, नुज़हतुल मजालिस व मुंतक़िब अल नफाइ़स, मुक़तसिर तारीक़ दमिश्ख)

आप के लोकोक्ति व उद्धरण

हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने जो अंतिम खुतबा (धर्मापदेश) इरशाद फरमाया इसे अ़ल्लामा मोमिन बिन हसन शबलक़ी रहमतुल्लाहि अलैह ने नूरुल अबसार में व्याख्या किया हैः-

हज़रत यज़ीद बिन उ़समान से वर्णित है, इन्हों ने कहा के हज़रत उ़समा ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने अपने अंतिम खुतबे में इरशाद फरमायाः ऐ लोगो! अवश्य अल्लाह तआ़ला ने तुम्हें संसार इस लिए दिया है के तुम इस के द्वारा आखिरत (परलोक) कि कामना करो। संसार तुम्हें इस लिए नहीं दिया गया के तुम इस कि ओर आकर्षित हो जाओ। याद रखो! संसार फना व विनाश होने वाला है, तथा आखिरत बाखी रहने वाली है। विनाश होने वाली चीज़ कभी भी तुम्हें अधन्यवादी ना बना दे तथा बाखी रहने वाली चीज़ से उपेक्षा में ना डाले। विनाश होने वाली (संसार व दुनिया) पर बाखी रहने वाली (आखिरत) को प्राथमिकता व अधिमान दिया करो! क्यों के संसास यात्रा का स्थान है। अल्लाह तआ़ला से डरते रहो! क्यों के अल्लाह तआ़ला खौफ व भय इस के अ़ज़ाब (रोष) से बचने का माध्यम तथा इस के नज़दीकी का साधन है। और अल्लाह तआ़ला के गुण ग़ैरत से बचो! तथा

अपनी जमात पर सशक्त से पंतिबद्ध रहो! (बुज़ुर्गों के साथ) मित्र ना हो जाओ तथा तुम अल्लाह तआ़ला कि नेअ़मत (उदारता व वदान्यता) को याद करो। जो (मुहम्मद सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कि शकल में) इस ने पर फरमाई है। जब के तुम विरोधी थे, तो इस ने तुम्हारे हृदय में उ़लफत ड़ाल दी तथा तुम इस कि इस उदारता (वरदान) कि बरकत से आपस में भाई-भाई हो गए एवं तुम लोग नरक के गढ़े के किनारे पर थे, तो इस ने तुम्हें वहाँ से निकाला।

(नूरुल अबसार फी मनाखिब आ़ली बैतिनी आ़ली नबियिल सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम, पः 80)

हज़रत उ़समान ग़नी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु के जीवन का हर क्षण तथा आप कि जीवनी, आप के लोकोक्ति मानव जीवन में एक मनोहर क्रान्ति व परिक्रमण लाता है।

अल्लाह तआ़ला हमें आप (रज़ियल्लाहु तआला अन्हु) कि पावन जात से बेपनाह मुहब्बत व प्रेम करने तथा आप कि शिक्षण पर प्रदर्शित होने कि मार्गदर्शन दान फरमाए।

आमीन